

ग्रसाषारस

EXTRAORDINARY

भाग **II**—सण्ड 3---उप-सण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राणिकार से प्रकासित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 84]

नई विस्ली, सोमवार, अप्रैल 27, 1970/वैशाख 7, 1892

No. 84] NEW DELHI, MONDAY, APRIL 27, 1970/VAISAKHA 7, 1892

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या थी जाती है जिससे कि यह चलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF LABOUR, EMPLOYMENT AND REHABILITATION

(Department of Labour and Employment)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 27th April 1970

G.S.R. 665.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds Act, 1962 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies every establishment of—

- Travel agencies engaged in (i) booking of international air and sea passages and other travel arrangements; (ii) booking of internal air and mail passages and other travel arrangements and (iii) forwarding and clearing of cargo from and to overseas and within India.
- Forwarding agencies engaged in the collection, packing, forwarding or delivery of any goods including carloading, break-bulk service and foreign freight service.

- 3. Magnesite Mines, and
- Stone quarry producing roof and floor slabs, dimension stones, monumental stones and mossic chips,

in which fifty or more persons are employed, as an establishment to which the said provise shall apply with effect from the 1st May, 1970.

[No. 15/1/68-PF.II(ii).]

5. T. MERANI, Jt. Secy.

सा० का० नि० 665.---कर्मचारी भविष्य निधि प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इस ॄ विषय में धावश्यक आंच करने के पश्चात एतदद्वारा

- 1. (i) अन्तर्राष्ट्रीय वायु और समुद्र यात्रा भीर यात्रा के अन्य इंतजाम की वृक्तिंग II(ii) आन्तरिक वायु और डाक मार्ग और भारत यात्रा के अन्य इंतजाम की वृक्तिंग और
 - (iii) विदेश से भीर को भीर भारत में स्थोरा के भ्रम्नेषण भीर निकासी में जगे हुए याजा भ्रमिकरण,
- 2. किसी मास के संग्रह, पैं किंग, अग्रेषण या परिवान जिसमें गाड़ी लवान प्रपूंज वियोजन सेवा भौर विवेश बुलाई सेवा सम्मिलित है, में लगे हुए अग्रेषण अभिकरण,
- 3. मेग्नेसाइट खान, भौर
- 4. छत भौर फर्श की सिल्लियां, भायाम पत्थरों, स्मारकीय पत्थरों भौर मोजेक के दुकड़ें उत्पादित करने वाले पत्थर खान के हर ऐसे स्थान ।

जिसमें पचास या प्रधिक व्यक्ति नियोजित हैं, को ऐसे स्थापन के रूप में विनिर्विष्ट करती है जिसकी उक्त परन्तुक, 1 मई, 1970 से आगू होगा ।

[सं॰ 15/1/68 पी॰ एफ़॰ II(i)]

एस॰ टी॰ भीरानी, संयुक्त समिध, ।

G.S.R. 666.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds Act, 1982 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies every establishment which is a factory engaged in the manufacture of any of the items mentioned in the Schedule below, and in which fifty or more persons are employed, as an establishment to which the said proviso shall apply with effect from the 1st May, 1970.

SCHEDULE

- 1. Non-ferrous metals and alloys in the form of ingots;
- 2. Agarbatee (including dhoop and dhoopbatee).

भम रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (भम मेरेर रोजगार विभाग) ममिसूचना

नई दिल्ली, 27 **प्रप्रं**ल 19**70**

सा० का० नि० 666. —कर्मचारी भविष्य निधि भिधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इस विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चाल् एतव्दारा हुए ऐसे स्थापन को जो नीचे की अनुसूची में विश्तित मवों में से किसी के विनिर्माण में लगा हुआ कारखाना है और जिसमें पचास या प्रधिक व्यक्ति नियोजित ह को गेमे स्थापन के कप में विनिर्दिष्ट करती है जिसको उक्त परन्तुक, 1 मई, 1970 से ल गृहोगा ।

मनुसूची

- 1. सिल के रूप में भलोहें भातु भीर मिश्रवातु ;
- 2. भगरवसी (जिसमें धप भीर भूपवसी सम्मिलित है)।

[सं॰ 15/1/68 पी॰ एफ॰ II(ii] एस॰ टी॰ मीरानी, संयुक्त सचित्र ।